डॉ देबराज शोम २०१० का कर्नल रंगाचारी स्वर्ण पदक पुरस्कार

डॉ देबराज शोम को कोलकाता में आयोजित ऑल इंडिया ऑफ्थैलमोलॉजिकल सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन में २०१० के कर्नल रंगाचारी स्वर्ण पदक पुरस्कार और हनुमंत रेड्डी पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस पुरस्कार हेतु डॉ शोम का चयन उनके क्रांतिकारी शोध पत्र ''नॉन एल्बुमिन कंटेंनिंग नैनो मॉलीक्यूल ऑफ कार्बोप्लेटिन इन एन एडजंक्टिव रोल इन रेटिनोब्लास्टोनाम'' के लिए किया गया है। डॉ देबराज शोम इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के विजेता हैं और यह उपलब्धि उनके उल्लेखनीय प्रयासों को दर्शाती है। इन पुरस्कारों के लिए चुने जाने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए डॉ देबराज शोम, कन्सल्टैंट फेशियल प्लास्टिक सर्जरी, प्रमुख, इंस्टीट्यूट फॉर एस्थेटिक एस्थेटिक सर्जरी, अपोलो अस्पताल, हैदराबाद ने कहा, ''मैं अपने सभी सहयोगियों का आभारी हूं जिन्होंने मेरा चयन दो पुरस्कारों - कर्नल रंगाचारी तथा हनुमंत रेड्डी पुरस्कार के लिए किया है। हमारे शोध कार्यों के दौरान किए गए बहु-केंद्रित परीक्षणों ने भारतीय डॉक्टरों और वैज्ञानिकों की उत्कृष्टता एक बार फिर साबित कर दी है। ये पुरस्कार जिन शोध-कार्यों के लिए प्रदान किए गए हैं वे न सिर्फ नेत्र कैंसर बल्कि मस्तिष्क कैंसर तथा अन्य प्रकार के पिडियाट्रिक और फेशियल कैंसर के उपचार में मददगार साबित होंगे।'' रेटिनोब्लास्टोमा नेत्र कैंसर में सबसे आम विकार है जो प्रति २०,००० जीवित जन्मने वाले बच्चों में से १ को प्रभावित करता है।